'मेक इन यूपी को बनाएं औद्योगिक रणनीति का आधार'

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : योगी सरकार का मेक इन यूपी मॉडल प्रदेश के विकास की राह तय करेगा। सोमवार को प्रदेश की आर्थिक स्थिति, विकास संरचन और राजस्व स्त्रोतों की समीक्षा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'मेक इन यूपी' मॉडल को अगले दशक के लिए औद्योगिक रणनीति का आधार बताते हुए निर्देश दिए कि उद्योगों को ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नई इकाइयों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

2024-25 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 29.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमन है। वहीं, देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 8.40 प्रतिशत से बढ़कर 8.90 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही यह भी कहा कि 2026 तक 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर ठोस रणनीति बनानी चाहिए।

अनाज उत्पादन 722 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान : बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 2024-25 में अनाज उत्पादन 722 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2020-21 की तुलना में 100 लाख मीट्रिक टन ज्यादा है। हालांकि, जिलावार उत्पादकता में अब भी बड़ा अंतर है। कुछ जिलों में गेहूं की उत्पादकता 46 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पहुंच गई है, वहीं कुछ में यह 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के करीब है।

2024-25 में 27,000 के पार पहुंची फैक्ट्रियों की संख्या : मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की समीक्षा में बताया गया कि पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या 2024-25 में 27 हजार से ज्यादा हो गई है। सीएम ने कहा कि ज़िला उद्योग केंद्रों की क्षमता को और मजबूत किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2024-25 में 46,800 करोड़ मूल्य की आईटी सेवाओं का निर्यात हुआ, जो 2021-22 की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।

'बस सेवाओं के लिए नए रूट चिह्नित करें'

बैठक में राज्य के दो प्रमुख राजस्व स्रोतों, जीएसटी और आबकारी शुल्क की समीक्षा भी की गई। 2024-25 में राज्य द्वारा एकत्रित जीएसटी 1.49 लाख करोड़ से अधिक रहा। आबकारी से मिलने वाला राजस्व 52,574 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है। सड़क परिवहन क्षेत्र की समीक्षा के दौरान सीएम ने कहा कि निजी बस सेवाओं के लिए नए रूट चिह्नित किए जाएं।